अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

> **निर्देशन** डॉ. कमलचन्द सोगाणी

संकलन श्रीमती शशि प्रभा जैन



प्रकाशक **अपभ्रंश साहित्य अकादमी** जैनविद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी राजस्थान

Jain Education International

For Personal & Private Use Only

www.jainelibrary.org

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

निर्देशन

डॉ. कमलचन्द सोगाणी निदेशक जैनविद्या संस्थान—अपभ्रंश साहित्य अकादमी

संकलन

श्रीमती शशि प्रभा जैन सहायक निदेशक अपभ्रंश साहित्य अकादमी



प्रकाशक **अपभ्रंश साहित्य अकादमी जैनविद्या संस्थान** दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी राजस्थान अपग्रंश साहित्य अकादमी जैनविद्या संस्थान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी श्री महावीरजी – 322220 (राज.)

• प्राप्ति-स्थान

1. साहित्य विक्रय केन्द्र, श्री महावीरजी

- 2. साहित्य विक्रय केन्द्र दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारकजी सवाई रामसिंह रोड जयपुर – 302004
- प्रथम संस्करण 2011
- सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन
- मूल्य 300 रुपये
- ISBN No. 978-81-921276-4-4
- पृष्ठ संयोजन
 फ्रेण्ड्स कम्प्यूटर्स
 जौहरी बाजार, जयपुर 302003
 दूरभाष –0141–2562288
- मुद्रक जयपुर प्रिन्टर्स प्रा. लि. एम. आई. रोड जयपुर – 302001

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्रकाशकीय संकेत-सूची अकर्मक क्रियाएं सकर्मक क्रियाएं समानार्थक क्रियाएं

.

(v) (vii) 1 12 38

प्रकाशकीय

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के 'पउमचरिउ का क्रिया—कोश' पाठकों के हाथों में समर्पित करते हुए हमें हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय संस्कृति में लोक भाषा का विशेष महत्व है। जीवन के विविध पक्षों एवं सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति के लिए प्राचीनकाल से ही लोक—भाषा में साहित्य लिखा जाता रहा है। तीर्थंकर महावीर ने धर्म प्रचार के निमित्त तत्कालीन लोक—भाषा 'प्राकृत' का प्रयोग किया। प्राकृत में भरपूर साहित्य लिखा गया है। प्राकृत जब साहित्यिक भाषा बन गई तब एक नई लोक भाषा का जन्म हुआ। वह भाषा थी 'अपभ्रंश'। अपभ्रंश का अर्थ है – जन सामान्य की बोली। सम्पूर्ण उत्तर भारत में लम्बे समय तक अपभ्रंश लोक व्यवहार की भाषा बनी रही। यह भारतीय आर्य परिवार की सुसमृद्ध लोक भाषा रही है। आठवीं शताब्दी में स्वयंभू ने अपभ्रंश में साहित्य रचना कर इसे साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान दिलाया। अपभ्रंश साहित्य को समझने के लिए अपभ्रंश भाषा का अध्ययन आवश्यक है।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्वारा संचालित 'जैनविद्या संस्थान' के अन्तर्गत 'अपभ्रंश साहित्य अकादमी' की स्थापना सन् 1988 में की गई। अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर द्वारा मुख्यतः पत्राचार के माध्यम से अपभ्रंश का अध्यापन किया जाता है।

अपभ्रंश भाषा को सीखने—समझने को ध्यान में रखकर 'अपभ्रंश रचना सौरभ', 'अपभ्रंश अभ्यास सौरभ', 'अपभ्रंश काव्य सौरभ', 'प्रौढ़ अपभ्रंश रचना सौरभ', 'अपभ्रंश व्याकरण' आदि पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। इसी क्रम में अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के **'पउमचरिउ का क्रिया—कोश'** पुस्तक तैयार की गई है। 'पउमचरिउ' अपभ्रंश भाषा में रचित रामकथा है। इसमें स्वयंभू

ने लोक प्रचलित शब्दों का प्रयोग बडे ही सुंदर ढंग से किया है। प्रस्तुत पुस्तक में पउमचरिउ में प्रयुक्त क्रियाओं को एकत्र कर उनके हिन्दी अर्थ दिये गए हैं। प्रत्येक क्रिया के नीचे संदर्भ सहित जितने रूपों में वह क्रिया प्रयुक्त हुई है उसे बताया गया है। स्वयंभू ने सहज एवं सरल क्रियाओं का प्रयोग तो किया ही है साथ ही समानार्थक क्रियाओं का प्रयोग भी किया है। प्रस्तुत पुस्तक में समानार्थक क्रियाओं को भी एकत्र किया गया है। अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के **'पउमचरिउ का क्रिया-कोश'** पुस्तक अपभ्रंश की क्रियाओं को जानने एवं समझने में सहायक होगी तथा कुछ अंश में अपभ्रंश साहित्य को भी समझने में सहायता मिलेगी।

पुस्तक प्रकाशन में अपभ्रंश साहित्य अकादमी के विद्वानों विशेषतया श्रीमती शशि प्रभा जैन के आभारी हैं जिन्होंने अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के **'पउमचरिउ का क्रिया—कोश'** बडे परिश्रम से तैयार किया है। अतः वे हमारी बधाई की पात्र हैं।

पृष्ठ संयोजन के लिए फ्रेण्ड्स कम्प्यूटर्स एवं मुद्रण के लिए जयपुर प्रिन्टर्स धन्यावादाई हैं।

जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन प्रकाशचन्द जैन डॉ.कमलचन्द सोगाणी

अध्यक्ष मंत्री संयोजक प्रबन्धकारिणी कमेटी जैनविद्या संस्थान समिति दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जयपुर श्री महावीरजी

तीर्थंकर धर्मनाथ ज्ञान कल्याणक दिवस पौष शुक्ला पूर्णिमा वीर निर्वाण संवत् 2538 9 जनवरी 2012 (vi)

संकेत–सूची

- व वर्तमानकाल
- भवि भविष्यत्काल
- विधि विधि
- आज्ञा आज्ञा
- प्रे प्रेरणार्थक क्रिया
- अनि अनियमित
- **कर्म** कर्मवाच्य
- 1/1 उत्तम पुरुष/एकवचन
- 1/2 उत्तम पुरुष/बहुवचन
- 2/1 मध्यम पुरुष/एकवचन
- 2/2 मध्यम पुरुष/बृहुवचन
- 3/1 अन्य पुरुष/एकवचन
- 3/2 अन्य पुरुष/बहुवचन

संधि/कडवक/पंक्ति – अच्छहि (6.12.9)

विशेष-चिह्न

• संभावित रूप

अकर्मक क्रियाएं

अ

बैठना, रहना, होना अच्छ अच्छहि व 2 / 1 (6.12.9), अच्छन्ति व 3/2 (16.7.5) अच्छह∗ विधि 2 ∕ 1 (22.10.9) अच्छहँ व 1 / 2 (42.3.4) अच्छड व 3 / 1 (11.3.4) अच्छि विधि 2 / 1 (25.20.3) अच्छउ विधि 3 ∕ 1 (26.4.2) अच्छ विधि 2 / 1 (40.11.8) अच्छमि व 1 / 1 (38.19.2) अब्मिट्ट सामने आकर भिड़ना. लडना अब्मिट्टमि व 1 / 1 (49.2.6) अब्मिट्टइ व 3 / 1 (17.9.3) अब्मिड भिडना अब्भिडइ व 3 / 1 (53.1.7) अक्मिडन्ति व 3 / 2 (64.6.3)

आ

आवट्ट विलीन होना आवट्टइ व 3 ⁄ 1 (5.4.9) उक्कोव उद्वेलित करना उक्कोवइ व 3/1 (36.11.9) **उग्गम** उगना उग्गमइ व 3/1 (83.4.7) उच्छल उछलना उच्छलइ व 3 / 1 (23.13.8) उच्छह उत्साहित होना उच्छहड व 3/1 (16.3.10) उठना ਚਵ उट्ठन्ति व 3/2 (25.4.1) उद्वइ व 3 ∕ 1 (32.1.9) उद्गमि व 1 ∕ 1 (62.12.9) उड़ उडना उडुन्ति व 3/2 (77.14.3) उडुइ व 3 / 1 (1.5.4) उडुहि विधि 2/1 (38.8.7) उछलना त्तरथल्ल उत्थल्लमि व 1 / 1 (49.2.3) **उप्पज्ज** उत्पन्न होना उप्पज्जइ व 3 / 1 (5.1.5) उपज्जन्ति व 3/2 (34.2.8) उल्लल उछलना उल्ललइ व 3/1 (53.6.6) उल्लूक छिपना उल्लूक्कहो* विधि 2/1 (14.5.4)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया-कोश]

स

उल्लुक्कइ व 3 / 1 (15.3.9) **उल्लोल** उछलना उल्लोलइ व 3 / 1 (14.3.4) **उवसम** शान्त होना उवसमइ व 3 / 1 (57.1.6) **उव्वड** उछलना उव्वडइ व 3 / 1 (29.9.5) **उव्वर** शेष रहना, उबरना उव्वरन्ति व 3 / 2 (66.3.5) उव्वरइ व 3 / 1 (78.2.3) **उव्वेल्ल** नाचना उव्वेल्लइ व 3 / 1 34.3.8

ओ

ओवड कूदना, नीचे गिरना ओवडइ व 3/1 (64.5.4) ओवडन्ति व 3/2 (64.6.3) ओसर पीछे हटना ओसरइ व 3/1 (8.3.7) ओसरन्ति व 3/2 (25.6.2) ओसरन्ति व 3/2 (25.6.2) ओसरन्ति व 3/2 (1 (33.8.8) ओसरु विधि 2/1 (49.18.1) ओसरमि व 1/1 (58.13.9) ओहट्ट हटना ओहट्टहि व 2/1 (8.8.9)

ਨਾਂਧ कॉपना कंपन्ति व 3 / 2 (90.10.3) कंपइ व 3 / 1 (22.2.4) कंपए व 3 / 1 (42.10.6) चिल्लाना कंद कंदइ व 3 / 1 (8.2.9) कलह झगडा करना कलहन्ति व 3 / 2 (86.8.5) कहकह ठहाका लगाना कहकहन्ति व 3/2 (32.9.8) किलकिल किलकारी मारना किलकिलइ व 3/1 (1.5.7) किलकिलन्ति व 3/2 (32.9.8) कील क्रीडा करना कीलन्ति व 3/2 (26.7.7) सडना (समाप्त होना) कृह कुहन्ति व 3 / 2 (33.7.9)

ख

⁹⁾ खल स्खलित होना खलइ व 3 / 1 (51.13.7) खस गिरना , च्युत होना खसइ व 3 / 1 (78.3.1) [अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया—कोश **खुप्प** डूबना खुप्पन्ति व 3 / 2 (17.2.9) **खेल्ल** खेलना खेल्लन्ति व 3 / 2 (38.11.4)

ग

गज्ज गर्जना करना गज्जह व 3/1 (1.5.7) गज्जहि व 2/1 (20.9.4) गज्जत्ति व 3/2 (56.6.1) **गल** गलना गलइ व 3/1 (54.5.9) **गलगज्ज** गरजना गलगज्जइ व 3/1 (17.10.3) **गुलुग्गुल** चिंघाडना गुलुग्गुलन्ति व 3/2 (32.3.7)

घ

घवघव जल प्रवाह की आवाज होना घवघवन्ति व 3 ⁄ 2 (14.3.2) **घुम्म** घूमना घुम्मइ व 3/1 (1.5.4) **घुरुग्धुर** घुरघुर करना घुरुग्धुरन्ति व 3/2 (32.3.8) **घुल** घूमना घुलइ व 3/1 (26.7.6)

च

चिराव देर करना चिरावइ व 3 / 1 (67.8.6) चिरावहि व 2 / 1 (75.20.9) **चुकक** चूकना चुक्कइ व 3 / 1 (21.9.8) चुक्कहि व 2 / 1 (75.13.3)

ন্ত

छज्ज शोभना छज्जइ व 3 / 1 (3.7.10) **छुट्ट** छूटना छुट्टइ व 3 / 1 (43.9.8)

ज

जल जलना जलइ व 3 ⁄ 1 (46.5.4) जलन्ति व 3 ⁄ 2 (77.14.3)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[3.

जा जाना जाइ व 3 / 1 (1.10.3) जन्ति व 3/2 (2.12.7) जामि व 1 / 1 (4.4.3) जाहि व 2/1 (10.11.9) जाएसइ भवि 3 / 1 (18.10.9) जाउ विधि 2/1 (24.9.8) जाहूँ(हूं) व 1 / 2 (88.1.3) जिय जीना जियन्ति व 3/2 (42.4.5) जिव जीना जिवइ व 3/1 (82.8.5) **जीव** जीना जीवइ व 3 / 1 (9.9.2) जीवन्ति व 3/2 (4.3.7) जीवहि आज्ञा 2 / 1 (7.12.1) जीवेसइ भवि 3 / 1 (8.4.9) जुज्झ लडना जुज्झइ व 3 / 1 (1.10.4) जुज्झ् विधि 2 / 1 (7.12.3) जुज्झहो* विधि 2/1 (14.5.4) जुज्झन्ति व 3 / 2 (17.2.10) जुज्झहि व 2/1 (20.2.2) विधि 2/1 (20.9.5) जुज्झमि व 1 / 1 (49.2.5) जूर खेद करना जूरइ व 3 / 1 (44.1)

झंख	बकबक	करना
झंखहि	व 2/1	(55.2.3)

ट

झ

टल विचलित होना . टलइ व 3 / 1 (89.1.6)

ਰ

ठा ठहरना, बैठना, रहना ठाइ व 3 / 1 (11.6.8) ठाउ विधि 3 / 1 (16.13.3) ठन्ति व 3 / 2 (6.14.9)

ड

डोल्ल डोलना, हिलना डोल्लन्ति व 3 ⁄ 2 (9.7.3)

דע

णच्च नाचना णच्चन्ति व 3 / 2 (25.6.2) णच्चइ व 3 / 1 (1.5.2) णच्चमि व 1 / 1 (36.8.7)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

4]

णंद आनन्दित होना णंदइ व 3 / 1 (25.19.5) णिग्ग निकलना णिग्गइ व 3 / 1 (11.13.1) णिग्गन्ति व 3 / 2 (37.11.8) णिद्व नष्ट होना णिट्ठन्ति व 3 / 2 (75.19.1) णिवड गिरना णिवडन्ति व 3/2 (15.4.4) णिवडइ व 3 / 1 (23.2.12) णिव्वड प्रकट होना णिव्वडइ व 3/1 (16.5.9) णिवस रहना णिवसइ व 3 / 1 (81.8.3) णिवसेसहँ भवि 1 / 2 (86.11.6) -णिवसहि व 2 / 1 (7.12.5) णिवसन्ति व 3 / 2 (90.10.8) णिव्वह निर्वाह करना, व्यतीत कंरना णिव्वहड् व 3 / 1 (16.3.10) णीव शांत होना णीवइ व 3 / 1 (55.8.9) णीसर बाहर निकलना णीसरे विधि 3 / 1 (19.4.6) णीसरइ व 3 / 1 (15.11.4) णीसरन्ति व 3 / 2 (23.9.6) णीसरु विधि 2 / 1 (27.13.7)

णीसस श्वास छोडना णीससइ व 3 / 1 (26.20.8) **ण्हा** नहाना ण्हाइ व 3 / 1 (1.5.5) ण्हाहो* विधि 2 / 1 (14.5.4) ण्हन्ति व 3 / 2 (26.15.5) ण्हामि व 1 / 1 (62.7.9)

त

तव तपना तवइ व 3 / 1 (23.2.10) तवउ विधि 3 / 1 (17.18.7) तवन्ति व 3 / 2 (79.6.6) तस त्रास पाना / त्रस्त करना तसइ व 3 / 1 (31.4.5) तूस खुश होना / सन्तुष्ट होना तूसइ व 3 / 1 (81.11.9)

थ

थक्क ठहरना थक्कहि विधि 2/1 (17.14.2) थक्कइ व 3/1 (10.3.9) थक्कु विधि 2/1 (20.9.5) थक्कमि व 1/1 (85.6.3) थरहर कॉपना थरहरेइ व 3/1 (32.2.2)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया–कोश]

6]

था ठहरना थाहु* विधि 2 / 1 (2.16.11) थाहि विधि 2 / 1 (11.11.5) थाइ व 3 / 1 (22.3.7) थामि व 1 / 1 (69.17.8)

ध

धगधग धक धक करना धगधगइ व 3 / 1 (18.5.3) धगधगन्ति व 3 / 2 (69.17.5) **धाहाव** चिल्लाना धाहावइ व 3 / 1 (18.5.7) **धीर** धीरज रखना धीरइ व 3 / 1 (27.12.5) धीरहि विधि 2 / 1 (39.9.1)

प

पक्खल स्खलित होना पक्खलइ व 3 / 1 (1.5.6) **पजल** जलना पजलइ व 3 / 1 (12.12.8) **पज्जल** जलना पज्जलइ व 3 / 1 (74.13.15) **पज्झर** झरना, टपकना पज्झरइ व 3 / 1 (77.14.5)

पड गिरना पडन्ति व 3 / 2 (18.9.6) पडइ व 3 / 1 (19.3.2) पड् विधि 2 / 1 (6.12.10) पडउ विधि 3 / 1 (22.10.4) पडेसमि भवि 1/1 (55.1.20) पडिखल गिरना पडिखलइ व 3/1 (23.13.8) पडिहा अच्छा लगना पडिहन्ति व 3 / 2 (22.5.4) पणच्च नाचना पणच्च इ व 3 / 1 (32.8.7) पमाय छोडना पमायहि विधि 2 / 1 (41.2.8) पयट्ट प्रवृत्त होना पयट्टइ व 3 / 1 (5.4.9) पयट्टहि व 2 ∕ 1 (21.6.8) परिवस रहना परिवसइ व 3 / 1 (22.6.4) परिसुज्झ शुद्ध होना परिसुज्झमि व 1 / 1 (73.13.9) परिसुज्झइ व 3 / 1 (87.17.7) परिसुज्झहुं व 1 / 2 (19.1.10) पलिप्प जलना पलिप्पइ व 3 / 1 (35.11.7) **पल्लट्ट** लौटना पल्लट्टहि आज्ञा 2/1 (21.6.8) पल्लट्टइ व 3/1 (33.2.6)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

पवड्ठ बढ़ना (61.2.5) पवड्डइ व 3 / 1 पवह बहना पवहड व 3 / 1 (38.10.4) **पवियंभ** प्रकट होना पवियंभइ व 3/1 (22.2.9) पसर फैलना पसरइ व 3/1 (28.1.2) पहाव प्रवाहित होना, समर्थ होना पहावइ व 3/1 (80.9.9) पहावमि व 1/1 (72.12.11) पहुच्च पहॅचना पहुच्चइ व 3/1 (6.4.4) पहुच्चमि व 1/1 (21.6.8)

े फ

फल फलना फलेसइ भवि 3 / 1 (72.11.9) फिट्ट नष्ट होना फिट्टइ व 3/1 (22.5.6)**फ**ुट्ट फूटना फुट्टइ व 3/1 (13.2.9) फुर फडकना फुरइ व 3 / 1 (38.10.4) **फेक्कार** श्रृगाल की आवाज करना फेक्कारइ व 3/1 (27.2.6) ब

बुक्क बंदर की आवाज करना बुक्कइ व 3 ⁄ 1 (19.3.4)

भ

भम घूमना भमइ व 3 / 1 (9.3.9) भमन्ति व 3 / 2 (17.16.8) भमेसहि भवि 2 / 1 (85.5.5) भमु विधि 2/1 (19.15.5) मिड भिडना, लडना भिडइ व 3 / 1 (4.3.3) भिडन्ति व 3 / 2 (7.5.3) भिड़ विधि 2 / 1 (48.5.5) भिडेसइ भवि 3 / 1 (58.7.2) भिडमि व 1 / 1 (63.12.5) भी डरना भीहि विधि 2 / 1 (33.8.4)

म

मर मरना मरु विधि 2 / 1 (7.12.5) मरइ व 3 / 1 (5.7.7) मरमि व 1 / 1 (19.18.1)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[7 ·

मरन्ति व 3 / 2 (25.6.1) मरहि व 2 / 1 (33.8.8) मिल मिलना मिलन्ति व 3/2 (18.3.8)मिलइ व 3/1 (42.12.7) मिलेसइ भवि 3 / 1 (45.2.8) विधि 2 / 1 (46.12.3) मिल मिलमि व 1/1 (57.1.7) मुज्झ मुर्छित होना⁄मोह करना मुज्झहि व 2/1 (41.15.1) मुज्झइ व 3 / 1 (87.4.3)

र

रंखोल हिलना–डुलना रंखोलइ व 3/1 (14:3.7) चिल्लाना रड रडइ व 3 / 1 (19.7.12) रम क्रीडा करना रमन्ति व 3/2 (14.11.8) रम् विधि 2 / 1 (19.15.5) रमेसइ भवि 3 / 1 (23.4.8) (9.3.7)रमइ व 3/1 उच्चारण करना रव रवन्ति व 3/2 (27.15.5)रवमि व 1 / 1 (62.9.5)

रुच्च अच्छा लगना रुच्चइ व 3/1 (1.3.14)रुणरुण क्रन्दन करना **ম্চলছ ব 3 / 1 (36.11.4)** रोना रुअ रुअइ व 3 / 1 (18.12.6) रुअहि वर्त 2 / 1 (37.5.7) रुअमि व 1/1 (77.4.1) रुण्ट गूनगुनाना रुण्टन्ति व 3/2 (27.1.5) रुय रोना হুযুহ্ व 3 / 1 (37.5.3) रोना रुव व 3 / 1 रुवड (19.3.3) रुवमिर्व 1/1 (36.12.4) रुवन्ति व 3/2 (82.9.1) रूसना / क्रोधित होना रूस व 3 / 1 (29.3.3) रूसइ रूसमि वर्त 1/1 (52.7.4) रेह प्रतीत होना रेहड व 3/1 (13.6.9) रेहन्ति व 3 / 2 (2.11.9) रोव रोना रोवड व 3 / 1 (19.6.1) रोवहि व 3/1 (19.15.8) रोवन्ति व 3/2 (36.7.8)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंजमचरिज का क्रिया–कोश

ल

লন্জ	शर्माना		
लज्जमि	व 1/1	(36.15.1 ⁻	1)
लज्जइ	व 3 / 1	(10.8.11)
लज्जहि	व 2/1	(38.8.4)	
लल इ	प्रूलना		
ललइ व	13/1	(14.7.8)	
लोट्ट	लौटना		
लोट्टइ	व 3/1	(83.4.5)	
लोट्टमि	व 1/1	(38.6.3)	
ल्हस	शिथिल	होना	
ल्हसइ	व 3 / 1	(18.5.9)	
ल्हिक्क	छिपन	Π	
ल्हिक्कइ	व 3/1	(67.12.6)	•

व

 वइस / वईस
 बैठना

 वईसइ
 व 3 / 1
 (23.4.7)

 वइसमि
 व 1 / 1
 (49.2.7)

 वज्ज
 बर्जना

 वज्जइ
 व 3 / 1
 (17.10.3)

 वज्जउ
 विधि 3 / 1
 (45.14.9)

 वड्ठ
 बढ़ना

 वड्ठइ
 व 3 / 1
 (45.6.10)

 वल
 चमकना / लौटना

वलइ व 3/1 (13.1.1) वलू विधि 2 / 1 (20.8.3) वलन्ति व 3 / 2 (47.4.6) व्यवहार करना ववहर ववहरइ व 3 / 1 (36.13.7) वस रहना/बसना वसइ व 3 / 1 (36.3.7) वसन्ति व 3/2 (38.7.6) वह चलना वहड व 3 / 1 (13.1.9) वहन्ति व 3/2 (17.2.9) वावर काम में लगना वावरन्ति व 3 / 2 (66.3.5) वावरइ व 3 / 1 (74.16.3) विउज्झ जागना / होश में आना विधि 2/1 (36.8.2) विउज्झहि विढप्प प्राप्त होना विढप्पइ व 3 / 1 (1.2.12) वित्थर फैलना वित्थरइ व 3 / 1 (75.18.10) विप्फूर चमकना विप्फूरइ व 3 / 1 (1.5.6) विष्फुरन्ति व 3 / 2 (83.13.2) वियद्व आना वियट्रइ व 3/1 (4.2.9) वियल गलना/क्षीण होना वियलन्ति व 3 / 2 (75.10.10)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया-कोश]

विरूस रूसना विरूसइ व 3/1 (1.3.13) विलस भोगना विलसइ व 3 / 1 (81.10.1) विसूर खेद करना विसुरइ व 3 / 1 (42.8.1) विसूरए व 3 / 1 (42.10.5) विसूरन्ति व 3 / 2 (59.10.7) विहड अलग होना विहडइ व 3 / 1 (13.1.10) विहडन्ति व 3/2 (7.5.4) विहर विहार करना विहरइ व 3 / 1 (88.13.2) विहस हँसना विहसन्ति व 3 / 2 (6.7.7) विहा शोभना विहाइ व 3/1 (13.6.8) वीसम विश्राम करना वीसमइ व 3 / 1 (7.10.8) वुक्क गर्जना करना वुक्कइ व 3/1 (52.1.7) वेव काँपना वेवड व 3 / 1 (18.5.7)

स

संपड प्राप्त होना व 3 / 1 (75.5.10) संपडड संभव संभव होना संभवइ व 3/1 (15.7.7) संमिल मिलना संमिलइ व 3∕1 (56.1.12) सक्क सकना सक्कइ वं 3 / 1 (4.2.4) सक्कमि व 1 / 1 (18.2.5) सक्कहि व 2 / 1 (25.10.10) सण्णज्झ तैयार होना सण्णज्झइ व 3/1 (4.6.2) सण्णज्झन्ति व 3 / 2 (53.4.5) सम्मुख आकर पडना समावड समाक्डइ व 3 / 1 (81.9.10) समावडउ विधि 3 / 1 (15.14.3) समुद्व उठना (32.2.3) समुहुइ व 3/1 श्वास लेना सस संसइ व 3 / 1 (18.5.7) सह सोहना सहइ व 3 / 1 (14.13.9) सहन्ति व 3 / 2 (33.11.4) सिज्झ सिद्ध होना सिज्झइं व 3 / 1 (4.2.5) सुअ सोना व 3 / 1 (1.10.8) सुअइ

संक संदेह करना, शंका करना सुअइ व 3 ∕ 1 (1.10.8) संकन्ति व 3 ∕ 2 (58.13.1) 10] [अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया—कोश

सुक्क सूखना सुक्कइ व 3/1 (21.1.6) सुज्झ शुद्ध होना सुज्झइ व 3 / 1 (1.10.4) सप्प सोना सुप्पइ व 3 / 1 (21.2.3) सुव सोना स्वेसइ भवि 3 / 1 (23.4.7) सह अच्छा लगना सूहन्ति व 3/2 (33.11.8) सूस सुखना (कमजोर होना) सूसइ व 3 / 1 (26.5.7) सोव सोना सोवइ व 3 / 1 (67.10.6) सोवेसहि भवि 2 / 1 (85.5.7) -सोवहि व 2/1 (88.1.6) सोंह शोभना सोहइ व 3 / 1 (23.13.7) सोहन्ति व 3/2 (24.15.3)

हसइ व 3/1 (1.5.1) हसन्ति व 3/2 (7.2.8) हसु विधि 2 / 1 (7.12.2) हो होना भवि 3 / 1 (1.12.7) होसइ होइ व 3/1 (2.3.10) होन्तु विधि 3/2 (1.3.11) होहु विधि 2/2 (2.15.5) होसन्ति भवि 3/2 (5.9.3) होहि विधि 2/1 (5.14.1) होन्ति व 3/2 (8.8.8) होमि व 1/1 (19.10.7) होउ विधि 3/1 (24.3.5) भवि 1 / 1 (62.12.3) होसमि भवि 3 / 1 (90.7.9) होएसइ होएसहि भवि 2/1 (90.9.8)

ह

हव होना हवन्ति व 3 / 2 (16.6.5) हवइ व 3 / 1 (62.2.1) हवहि विधि 2 / 1 (87.10.5) हवेसहि भवि 2 / 1 (90.9.4) **हस** हंसना

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंजमचरिज का क्रिया-कोश]

सकर्मक क्रियाएँ

अ

अंच पूजा करना
अंचइ व 3 ⁄ 1 (49.14.5)
अज काजल लगाना
अजहि विधि 2 ⁄ 1 (49.13.5)
अंजइ व 3 / 1 (59.3.4)
अंजमि व 1 ⁄ 1 (59.4.6)
अक्ख कहना
अक्खइ व 3 ⁄ 1 (1.14.7)
अक्खमि व 1 / 1 (27.7.2)
अक्खु विधि 2 / 1 (26.18.2)
अक्खहि विधि 2 / 1 (43.8.7)
अक्खि विधि 2 / 1 (55.8.9)
अच्च पूजा करना
अच्चेइ व 3 / 1 (78.7.7)
अच्चन्ति व 3 / 2 (83.7.2)
अणुण अनुनय करना
अणुणहि विधि 2 / 1 (57.4.8)
अणुसर अनुसरण करना
अणुसरइ व 3 / 1 (50.2.1)
अणुहर अनुसरण करना
अणुहरइ व 3 / 1 (1.6.8)
अणुहव अनुभव करना
अणुहवमि व 1 ⁄ 1 (19.6.10)
अणुहुंज भोग करना

अणुहुजइ व 3 ⁄ 1 (38.4.8)
अणुहुजि विधि 2 / 1 (78.13.1)
अणुहुजहि विधि 2 ⁄ 1 (79.6.7)
अप्प अर्पित करना
अप्पइ व 3 ⁄ 1 (41.12.9)
अप्पमि व 1 / 1 (55.2.1)
अप्पाह संदेश देना
अप्पाहइ व 3 / 1 (56.3.9)
अप्फाल गिराना, कहना,
पीटना (डंका पीटना)
अप्फालमि व 1 / 1 (4.12.2)
अप्फालइ व 3 / 1 (29.8.7)
अप्फालहि व 2 / 1 (41.6.3)
अब्मत्थ वंदना करना, अभ्यर्थना
• करना
अब्मत्थहि विधि 2 / 1 (49.11.1)
अब्मत्थमि व 1 ⁄ 1 (73.10.9)
अब्मत्थइ व 3 ⁄ 1 (80.2.1)
अब्मिड सामने आकर भिडना
अक्मिडइ व 3 / 1 (64.5.4)
अक्मिडन्ति व 3 ⁄ 2 (64.6.3)
अवगाह अवगाहन करना
अवगाहइ व 3 / 1 (29.9.6)
अवठम्म सहारा लेना
अवठम्भमि व 1 ⁄ 1 (40.14.2)
अवलोय देखना
अवलोयइ व 3 / 1 (38.4.7)

12]

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया–कोश

अवहत्थ ऊँचा करना, प्रतिष्ठित करना अवहत्थमि व 1 / 1 (73.10.9) अवहर अपहरण करना अवहरमि व 1 / 1 (80.3.9) व 3 / 1 (81.4.10) अवहरड अस खाना असइ व 3 / 1 (34.8.7) अहिणंद प्रशंसा करना अहिणंदइ व 3 / 1 (90.12.6) अहिलस अभिलाषा करना अहिलसइ व 3 / 1 (88.1.11) अहिसिंच अभिषेक करना अहिसिंचइ व 3 / 1 (88.1.7)

आ

 आ
 आना

 आउ
 विधि 2 / 1 (19.15.4)

 आइज्झइ (दे)
 पहनाना

 आइज्झइ व 3 / 1 (2.6.3)

 आउच्छ
 आज्ञा लेना

 आउच्छन्ति व 3 / 2 (53.4.9)

 आऊर
 भरना

 आऊरइ व 3 / 1 (29.3.2)

 आगच्छ
 आना

 आगच्छ
 आना

 आगच्छ
 वीधि 2 / 2 (3.4.10)

आडोह हिलाना आडोहइ व 3 / 1 (26.7.1) आढप्पड आरंभ करना आढप्पइ व 3 / 1 अनि कर्म (1.2.12)आण लाना 4 आणइ व 3 / 1 (2.16.2) आणमि व 1 / 1 (59.4.8) आणहि विधि 2 / 1 (43.9.2) आमेल्ल / आमिल्ल छोडना आमेल्लहि विधि 2 / 1 (70.8.2) आयण्ण सुनना आयण्णहि विधि 2 / 1 (34.4.2) आयर उच्चारण करना आयरन्ति व 3/2 (27.15.6) आयाम बल लगाना आयामहि विधि 2 / 1 (40.4.10) आराह आराधना करना आराहमि व 1 / 1 (70.11.9) आराहइ व 3/1 (76.9.4) आरुस क्रोध करना व 3/1 (87.6.5) आरुसइ ऊपर बैठना आरूह आरूहइ व 3 / 1 (71.5.5) आरूहहि विधि 2/1 (41.8.7) आरोक्क रोकना आरोक्कइ व 3/1 (53.6.7)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पजमचरिज का क्रिया-कोश]

आलव	बातचीत करना
आलवइ	व 3 / 1 (18.9.2)
आलाव	बातचीत करना
आलावइ	व 3 / 1 (28.5.9)
आलिंग	आलिंगन करना
आलिंगइ	व 3 / 1 (87.14.9)
आलिह	चित्र बनाना
आलिहइ 🛛	व 3 / 1 (72.3.5)
आव	आना
आवइ व	₹3⁄1 (12.1.9)
आवेसइ भ	वि ३ ⁄ १ (१६.८.४)
आवमि	व 1 / 1 (31.2.4)
आवन्ति	व ३/२ (४२.१०.४)
आवहुं व	व 1∕2 (71.17.9)
आवड	अच्छा लगना
आवडइ	व 3 / 1 (41.7.9)
आसंक	आशंका करना
आसंकइ	व 3 / 1 (44.11.1)
आसंघ	अभिलाषा करना
आसंघमि	व 1 / 1 (40.14.2)
आहण	आघात करना
आहणन्ति	व 3 / 2 (25.6.1)
आहणइ	व 3 / 1 (36.7.7)
आहिण्ड	घूमना
आहिण्डइ	व 3 / 1 (10.12.9)

इच्छ	इच्छा क	रना
इच्छइ	व 3/1	(15.12.5)
इच्छहि	विधि 2/1	(38.8.6)
इच्छेसइ	भवि 3 / 1	(38.19.3)
इच्छमि	व 1/1	(49.14.9)

ई

ईह	चेष्टा करना
ईहहि	व 2/1 (41.6.4)

ਚ

उग्गाम	ऊपर उठाना
उग्गामइ	व 3 / 1 (25.14.8)
उग्गिल	उगलना
उग्गिलइ	व 3 / 1 (78.2.5)
उग्घोस	घोषणा करना
उग्घोसइ	व 3 / 1 (77.2.7)
उच्चार	उच्चारना, बोलना
उच्चारइ	व 3 / 1 (38.16.5)
उत्तर	पार करना
उत्तरमि	व 1 / 1 (68.12.7)
उत्थर	आक्रमण करना
उत्थरइ	व 3∕1 (30.6.9)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

14]

ਚ Ð उवगरमि q उवडस डसना उवडसइ व 3 / 1 (78.3.1) अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंजमचरिज का क्रिया-कोश] Jain Education International

For Personal & Private Use Only

व 3 / 1 (45.7.9)

व 1 / 1 (69.1.5)

एइ

एमि

[15

उत्थरन्ति व 3 / 2 (43.15.7)	उवढुक्क आना
उत्थरमि व 1 ∕ 1 (62.10.4)	उवढुक्कइ व 3∕1 (85.4.11)
उद्धार उद्धार करना	उवसंघर उपसंहार
उद्धारमि व 1 ∕ 1 (89.11.3)	उवसंघरमि व 1 ∕ 1 (36.11.5)
उद्धाल छीन लेना	उवसंघरइ व 3 / 1 (78.2.3)
उद्धालमि व 1 / 1 (52.7.5)	उवहास उपहास करना
उप्पेक्ख देखना	उवहासइ व 3 / 1 (84.4.7)
उप्पेक्खमि व 1 / 1 (26.20.7)	उव्वह उठाना, उद्वेलित होना
उप्पाड उखाडना	उव्वहन्ति व 3 ⁄ 2 (1.10.6)
उप्पाडइ व 3 / 1 (25.13.7)	उव्वहइ व 3 / 1 (13.10.9)
उप्पाडमि व 1 ⁄ 1 (38.6.6)	उव्वेढ बंधन मुक्त करना
उप्पाय उत्पन्न करना	उव्वेढइ व 3 ⁄ 1 (70.4.10)
उप्पायमि व 1 ⁄ 1 (6.11.3)	उव्वेल्ल उद्वेलित करना
उप्पायइ व 3 / 1 (12.12.8)	उव्वेल्लइ व 3 ⁄ 1 (30.6.6)
उब्म ऊँचा करना -	
उब्महि व 2 ∕ 1 (49.10.4)	জ
उब्मास प्रकाशित करना	
उब्मासइ व 3 ∕ 1 (41.15.2)	ऊसस उच्छ्वास लेना
उम्मह छोडना	ऊससइ व 3 / 1 (27.3.8)
उम्महइ व 3 ∕ 1 (34.8.8)	
उल्हाव शान्त करना	ए
उल्हावमि व 1 ⁄ 1 (20.9.3)	
उल्हावइ व 3 / 1 (24.1.6)	ए आना
उवगर उपकार करना	एन्ति व 3 / 2 (5.12.5)
उवगरमि व 1 ∕ 1 (88.9.10) [′]	एसइ भवि 3 ⁄ 1 (21.1.9)

ओ

ओमाल	शोभना
ओमालइ	व 3 / 1 (76.12.6)
ओलग्ग	सेवा करना
ओलग्गइ	व 3 / 1 (7.6.5)
ओलग्गमि	व 1 / 1 (40.14.4)
ओवंक	मुँह फेर लेना
ओवंकहि	विधि 2/1 (32.2.10)
ओवग्ग	आक्रमण करना
ओवग्गइ	व 3∕1 (56.6.9)
ओसार	पीछे हटाना, दूर करना
ओसारि	विधि 2/1 (13.2.9)
ओहट्ट	हटना
ओहट्टहि व	7 2 / 1 (8.8.9)

क

कंख	चाहना
कंखइ	व 3 / 1 (24.3.8)
कड्ढ	निकालना
कड्ढमि	व 1 / 1 (15.2.7)
कड्ढइ	व 3/1 (78.2.7)
कण	कल-कल करना
कणइ	व 3 / 1 (1.5.3)
कप्प	काटना
कप्पमि	व 1∕1 (29.4.3)

कप्पइ व 3 / 1 (29.3.4)
कम उल्लंघन करना
कमइ व 3 / 1 (29.9.5)
कर करना
करमि व 1 / 1 (1.3.9)
करइ व 3 / 1 (2.9.3)
करहु विधि 2 / 1 (4.3.3)
करन्ति व 3 / 2 (6.14.9)
करे विधि 2/1 (6.16.8)
करन्तु विधि 3/2 (12.4.7)
करेसइ भवि 3 / 1 (16.13.3)
करउ विधि 3 / 1 (17.18.4)
करहि व 2 / 1 (22.12.2)
विधि 2 / 1 (22.12.3)
करेसर्मि भवि 1 / 1 (26.4.4)
करि विधि 2 / 1 (27.12.5)
करेसहं व 1 / 2 (40.16.1)
करहुँ(हुं) व 1 / 2 (47.3.8)
करेसहि भवि 2 / 1 (75.14.1)
करावइ व 3 / 1 प्रे (23.14.7)
करावमि व 1 / 1 प्रे (72.12.11)
कह कहना
कहइ व 3 / 1 (5.9.5)
कहमि व 1 / 1 (12.1.6)
कहि विधि 2 / 1 (31.7.7)
कहहि विधि 2 / 1 (34. 2)
कहे विधि 2 / 1 (34.2.1)

16]

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

 कहेसइ
 भवि 3 / 1
 (48.14.9)

 कुणा
 करना

 कुणाइ
 व 3 / 1
 (24.13.7)

 कुणहि
 विधि 2 / 1
 (53.1.1)

 कुपप
 कोप करना

 कुपपइ
 व 3 / 1
 (44.3.11)

 कोकक
 बुलाना

 कोक्कह
 व 3 / 1
 (25.18.6)

 कोक्कहि
 विधि 2 / 1
 (31.8.7)

ख

खंच	खींचना		
खचेइ	व 3∕1 (3.12.5)		
खंचहि	विधि 2/1 (33.12.7)-		
	खोदना		
खणइ	व 3 / 1 (81.5.4)		
खणमि	व 1 / 1 (15.2.6)		
खण्ड	खण्डित करना		
खण्डइ	व 3 / 1 (28.7.7)		
खण्डहि	व 2 / 1 (57.2.8)		
	विधि 2 / 1 (54.9.11)		
खम	क्षमा करना		
खमहि	विधि 2 / 1 (44.4.7)		
खमइ	व 3 / 1 (75.22.5)		
खव	क्षय करना		
खवन्ति	व 3 / 2 (30.10.9)		

खा खाना
खाइ व 3 / 1 (19.3.2)
खाहि व 2 / 1 (57.2.7)
खिव फेंकना
खिवन्ति व 3 / 2 (31.6.4)
खुडइ व 3 / 1 (37.8.10)
खुडमि व 1 / 1 (81.6.10)
खेलावइ व 3 / 1 प्रे. (76.12.1)
खेवह विधि 2 / 1 (89.3.7)

ग

गच्छ	जाना
गच्छमि	व 1 / 1 (36.12.6)
गच्छहि	विधि 2 / 1 (64.5.2)
गण	गिनना
गणइ	व 3 / 1 (4.5.8)
गणन्ति	व 3/2 (22.10.5)
गणहि	व 2 / 1 (57.2.4)
गम	बिताना
गमेसहि	भवि 2 / 1 (85.5.8)
गमेसइ	भवि 3 ⁄ 1 (85.7.10)
गम्म	जाना
गम्मइ	व 3 / 1 (24.3.4)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

गरह निन्दा करना गरहन्ति व 3 / 2 (2.14.5) गरहइ व 3/1 (90.11.2) गवेस गवेषणा करना गवेसड व 3 / 1 (11.13.2) गवेसमि व 1 / 1 (19.15.9) गवेसहि व 2 / 1 (44.4.9) गवेसहं व 1 / 2 (40.16.2) गस भक्षण करना व 3/1 (78.2.6) गसड गा/ गाअ गाना गायइ व 3 / 1 (1.5.8) गायन्ति व 3 / 2 (7.2.8) गायउ विधि 3 / 1 (17.18.5) व 3/1 (32.8.5) गाइ गिण्ह ग्रहण करना, पकडना गिण्हइ व 3 / 1 (25.20.4) गिल निगलना गिलइ व 3/1 (19.3.2) गिलेसइ भवि 3 / 1 (37.7.9) गेण्ह ग्रहण करना गेण्हइ व 3 / 1 (37.1.6)

घ

घटित होना घट्टइ व 3/1 (15.13.9)

गढना, मिलना घड घडन्ति व 3 / 2 (7.5.3) घडइ व 3/1 (12.2.7) घडउ विधि 3 / 1 (1.3.10) फैंकना घत्त घत्तमि व 1 / 1 (8.10.8) व 3 / 1 (53.11.7) घत्तइ घल्ल फैंकना, बाहर निकालना घल्लेसइ भवि 3 / 1 (35.9.1) घल्लावइ व 3 / 1 प्रे (81.6.6) घाय घायल करना घायइ व 3 / 1 (17.9.5) घार विष से मारना घारइ व 3 / 1 (78.2.8) **घास** घिसना घासइ व 3 ∕ 1 (81.7.4) **धिव** फैंकना घिवन्ति व 3/2 (7.2.7) घिवेसइ भवि 3 / 1 (7.1.5) धिवहि व 2 / 1 (41.11.2) घिवइ व 3/1 (76.15.1) घिवमि व 1 / 1 (13.3.10) घुसल बिलोना घुसलइ व 3 / 1 (37.1.4) घोट्ट पीना घोट्टमि व 1 / 1 (38.6.3) घोल मिलाना

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

घोलइ व 3 / 1 (14.3.4) **घोस** घोषणा करना घोसइ व 3 / 1 (19.7.3)

च

चड चढना चडइ व 3 / 1 (29.3.3) चडमि व 1 / 1 (62.8.2) विधि 2/1 (19.15.4) चड् चडहि विधि 2 / 1 (23.3.3) चडेसइ भवि 3 / 1 (23.4.8) आक्रमण करना, चाँपना चप्प चष्पइ व 3 / 1 (21.3.6) चप्पमि व 1 / 1 (29.4.3) चल चलना व 3/1 (29.9.4) चलइ चलन्ति व 3 / 2 (33.6.8) चल्ल चलना चल्लइ व 3 / 1 (19.17.11) चल्लहि व 2 / 1 (21.6.4) चव कहना व 3 / 1 (6.13.8) चवड चवन्ति व 3 / 2 (27.15.6) चवहि व 2 / 1 (44.15.2) चडाव चढाना चडावइ व 3 / 1 (38.4.4)

चडावहि विधि 2 / 1 (72.7.7) चाल चलायमान करना चालइ व 3 / 1 (32.8.3) चिन्त सोचना चिन्तइ व 3 ∕ 1 (5.2.8) चिन्तहि व 2 / 1 (15.13.1) चिन्तन्ति व 3/2 (86.6.10) चिन्तव विचार करना चिन्तवन्ति व 3/2 (22.10.7) चिन्तवइ व 3 / 1 (75.22.3) चुक्क नष्ट करना व 3/1 (21.9.8) चुक्कइ चूक्कमि व 1 / 1 (44.7.4) चुक्कहि विधि 2/1 (75.13.3) चेय जानना चेयइ व 3/1 (26.8.8) चुम्ब चूमना चुम्बइ व 3 / 1 (87.14.9)

ष्ठ

छड्ड छोडना छड्डहि विधि 2/1 (58.9.9) छड्डेइ व 3/1 (71.5.7) छड्डमि व 1/1 (85.5.10) **छड**ि छोडना छडहि व 2/1 (38.8.3) विधि 2/1 (72.13.6)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[19

छंडइ व 3 / 1 (64.4.9) छिज्जइ व 3 / 1 (81.7.4) छिज्जइ व 3 / 1 (81.7.4) छिंद छिन्न-भिन्न करना छिंदन्ति व 3 / 2 (7.14.4) छिंदमि व 1 / 1 (29.4.4) छिंदइ व 3 / 1 (38.10.5) छिव छूना छिवइ व 3 / 1 (76.12.7) छुह फैंकना छुहमि व 1 / 1 (63.12.6)

জ

जगड झगडा करना जगडइ व 3/1 (10.7.5) जण उत्पन्न करना जणइ व 3 / 1 (7.12.3) जणमि व 1 / 1 (69.1.6) जंप कहना जंपइ व 3 / 1 (12.1.1) जंपए व 3 / 1 (42.10.6) जंपहि व 2 / 1 (70.8.10) जंपमि व 1/1 (89.1.11) जयकार जयकार करना जयकारइ व 3 / 1 (25.1.9) जयकारमि व 1 / 1 (26.18.9) जाण जानना, समझना

जाणह व 2/2 (4.5.2) जाणइ व 3 / 1 (4.5.4) जाणहि व 2 / 1 (5.16.5) जाणमि व 1 / 1 (11.5.5) जाणह्ँ व 1 / 2 (17.7.2) जाणन्ति व 3 / 2 (59.10.7) जाणावइ व 3 / 1 प्रे. (23.5.10) जीतना जिण जिणइ व 3 / 1 (4.9.2) जिणमि व 1 / 1 (16.12.9) जिणेसइ भवि 3 / 1 (43.6.7) जुप्प जोडना जुप्पेसइ भवि 3/1 (77.7.7) भोजन करना जेम्म जेम्मइ व 3 / 1 (21.2.2) जो देखना जोइ व 3 / 1 (51.13.3) **जोअ/जोय** देखना जोयइ व 3 / 1 (24.1.8) जोअइ व 3 / 1 (33.11.9) जोयहि व 2 / 1 (88.1.6) जोअहि विधि 2/1 (49.13.6) जोएइ व 3 / 1 (71.5.8) जोयन्ति व 3 / 2 (86.4.6) जोव देखना जोवइ व 3 / 1 (7.10.6) जोवहि विधि 2 / 1 (39.9.1)

20]

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

झ

झडप्प झपटना झडप्पइ व 3 / 1 (38.13.4) झा ध्यान करना झायहि व 2 / 1 (9.8.3) विधि 2 / 1 (87.18.10) **झुण** ध्वनि करना झुणइ व 3 / 1 (41.14.4)

ट

टाल टालना टालइ व 3 / 1 (34.7.12) टालमि व 1 / 1 (38.6.7)

ड

 डंक
 काटना

 डंकइ
 व 3 / 1 (20.2.6)

 डज्झ
 जलाना

 डज्झन्ति व 3 / 2 (31.6.7)

 डज्झन्ति व 3 / 2 (31.6.7)

 डज्झर व 1 / 2 (31.6.7)

 डज्झर व 3 / 1 (75.15.1)

 डज्झइ व 3 / 1 (75.15.1)

 डहइ
 ज ताना

 डहइ
 व 3 / 1 (16.4.9)

 डहन्ति व 3 / 2 (81.7.3)
 डहर विधि 3 / 1 (83.9.8)

 डहे विधि 2 / 1 (83.13.4)
 डिंग्रे 1 (83.13.4)

डहमि व 1 / 1 (67.12.9) **डेव** कूदना / उल्लंघन करना डेवन्ति व 3 / 2 (25.6.5)

ਫ

ढक्क ढकना ढक्कइ व 3 ∕ 1 (25.13.8) **ढुक्क** पहुँचना ढुक्कइ व 3 ∕ 1 (5.4.8) ढोय ढोना ढोयइ व 3 ∕ 1 (59.3.9) ढोयन्ति व 3 ∕ 2 (6.3.3) ढोव लाना ढोवइ व 3 ∕ 1 (1.14.6)

ण

 णम
 नमस्कार करना

 णमइ
 व 3 / 1 (12.2.4)

 णमह
 विधि 2 / 1 (12.5.14)

 णमेसइ
 भवि 3 / 1 (12.6.4)

 णमन्ति
 व 3 / 2 (37.8.5)

 णमन्ति
 न 3 / 2 (37.8.5)

 णमसइ
 न व 3 / 1 (29.5.4)

 णमंसइ
 व 3 / 1 (29.5.4)

 णव
 नमन करना

 णवेइ
 व 3 / 1 (30.6.6)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया-कोश]

णा/णी/णे लाना, ले जाना णेइ व 3 ∕ 1 (4.6.9) णेसइ भवि 3 / 1 (76.9.10) णास नाश होना णासइ व 3 / 1 (2.9.4) णासमि व 1 / 1 (44.7.4) णासन्ति व 3 / 2 (73.9.9) ेणिअ / णिय देखना णिएन्ति व 3/2 (12.2.9) णियइ व 3 / 1 (33.6.7) णिएइ व 3 / 1 (81.5.2) णियहि व 2 / 1 (41.8.5) णिएसहँ भवि 1 / 2 (86.8.7) णिज्जर क्षय करना णिज्जरइ व 3 / 1 (39.2.4) णिद्रव नष्ट करना णिट्ठवमि व 1/1 (40.15.10) णिड्रह जलाना णिड्रहड व 3 / 1 (18.5.6) णिंद निंदा करना णिंदइ व 3 / 1 (25.19.5) णिंदन्ति व 3/2 (87.7.6) णिब्मच्छ झिडकना णिब्भच्छइ व 3/1 (84.4.8) णिरुंभ रोकना णिरुंभइ व 3 / 1 (75.5.7) णिवंध बाँधना णिवंधइ व 3 / 1 (76.11.6) 221

व्यतीत करना/निर्वाह णिव्वह करना णिव्वहड् व 3 / 1 (16.3.10) णिवार निवारण करना णिंवारइ व 3 / 1 (2.12.9) णिवारहि व 2/1 (25.12.3) णिसुण सूनना णिसूणमि व 1 / 1 (19.18.2) णिसुणहु* विधि 2 / 1 (23.2) णिसुणि विधि 2 / 1 (38.9.2) व 3 / 1 (42.1.8) णिसुणइ णिसंभ मारना णिसुंभइ व 3 / 1 (38.2.6) णिहम्म मारना णिहम्मइ व 3 / 1 (85.5.12) णिहाल देखना णिहालउ विधि 3 / 1 (17.18.6) णिहालझ व 3 / 1 (25.4.8) णिहालमि व 1 / 1 (59.4.5) णिहालहि विधि 2 / 1 (73.10.5) बाहर निकालना णीसार णीसारइ व 3 / 1 (49.14.7)

त

तप्प सन्तप्त होना तप्पइ व 3 ⁄ 1 (22.7.9)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

तैरना

तरन्ति व 3/2 (17.2.1)

तारइ व 3 / 1 (87.2.9)

. तारमि व 1 / 1 (89.11.3)

तोडमि व 1 / 1 (21.1.7)

तोडइ व 3 / 1 (38.5.7)

थवहि व 2 / 1 (68.12.2)

थुव्वइ व 3 / 1 (50.7.10)

देना

दइ विधि 2/1 (31.14.5)

दक्खव दिखाना

दक्खवमि व 1 / 1 (14.9.9)

दक्खवइ व 3/1 (15.9.8)

दम दमन करना

दमहि व 2 / 1 (71.17.9)

दक्खवहि विधि 2 / 1 (19.15.3)

तोडेसइ भवि 3 ⁄ 1 (21.1.9)

थ

आश्वासन देना

स्तुति करना

द

तोड तोडना

तारना

तर

तार

थव

थुव्व

दड

दरमल चूर्ण करना दरमलमि व 1/1 (51.1.9) दरिस दर्शाना दरिसइ व 3 / 1 (45.2.4) दरिसहिंविधि 2 / 1 (53.9.2) दरिसन्ति व 3 / 2 (64.2.4) दरिसाव दिखाना दरिसावमि व 1/1 (11.10.6) दरिसावेसइ भवि 3 / 1 (19.12.7) दरिसावइ व 3 / 1 (21.12.8) दरिसावहुँ व 1 / 2 (35.8.10) दरिसावहि व 2/1 (2.5) ूकडे-टूकडे करना दल दलमि व 1 / 1 (15.2.5) दलइ व 3 / 1 (21.6.9) दलेसइ भवि 3 / 1 (58.3.9) दलवट्ट चूर-चूर करना दलवट्टइ व 3 / 1 (4.2.9) दह जलाना दहमि व 1 / 1 (69.16.8) दहेसमि भवि 1 / 1 (77.7.11) विदारण करना दार दारेइ व 3 / 1 (73.13.4) **दाव** देना, दिखाना दावमि व 1 / 1 (20.9.3) दावइ व 3/1 (37.3.5) दावहि व 2 / 1 (42.7.2)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश]

For Personal & Private Use Only

दावए व 3 / 1 (42.10.7) दगुछ निन्दा करना दुगुंछइ व 3 / 1 (81.7.8) दुगुंछहि व 2 / 1 (88.5.2) दुह दूहना दुहइ व 3/1 (34.11.2) दे देना देइ व 3 ∕ 1 (1.14.5) देमि व 1 / 1 (4.4.3) देन्ति व 3 / 2 (6.3.4) देहि व 2 / 1 (7.9.1) विधि 2/1 (8.10.7) देउ विधि 3 / 1 (17.18.5) देसइ भवि 3 / 1 (29.4.9) दे विधि 2/1 (30.8.9) देक्ख देखना देक्खइ व 3 / 1 (17.15.2) दोच्छ निन्दा करना दोच्छइ व 3∕1 (42.1)

ध

धर	धारण करना,	पकडना
धरइ	व 3 / 1	(1.5.2)
धरमि	व 1 / 1	(7.12.9)
धरहि	विधि 2/1	(9.10.8)
	व 2 / 1	(17.5.10)

धरेसइ भवि 3 / 1 (15.6.2)विधि 2/1 धरे (19.8.3) धरहो* विधि 2/1 (30.3.5) विधि 2/1 धरि (55.1.13) धरेसंहि भवि 2/1 (85.5.6) धरन्ति व 3/2 (72.9.9)धवल सफेद करना धवलन्ति व 3 / 2 (36.5.8) धवलेइ व 3 / 1 (74.17.1) धारण करना / दौडना धा धाइ व 3 / 1 (7.3.3) धाव दौडना धावइ व 3/1 (11.12.2) धावहि विधि 2/1 (61.7.9) धावन्ति व 3 / 2 (66.2.7) धुण हिलाना / कंपाना धुणइ व 3 / 1 (8.11.9) धुव धोना ध्वइ व 3 / 1 (78.3.4) धोव धोना धोवइ व 3 / 1 (1.14.6)

प

पइस∕पईस प्रवेश करना पईसइ व 3∕1 (4.1.8) पइसहुँ व 3∕2 (6.13.9)

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

24]

पइसारमि व 1 / 1 (74.3.2) पउंज प्रवृत्त करना, व्यवहार करना पउंजइ व 3 / 1 (59.3.4) पउंजहि विधि 2 / 1 (79.6.7) पक्काव पकाना पक्कावङ्च व 3 / 1 (34.11.4) पक्खाल धोना पक्खालउ विधि 3 / 1 (17.18.6) प**विखर** बिखेरना पक्खिरइ च 3 / 1 (88.4,4) पगास प्रकट करना पगासहि विधि 2 / 1 (25.12.2) पधोस घोषणा करना पधोसइ व 3 / 1 (50.6.7) पच्चार पुकारना पच्चारइ व 3/1 (41.14.4) Jain Education International

पइसमि व 1 / 1 (25.1.10)

पईसए व 3 / 1 (70.6.1)

पईसरइ व 3 / 1 (4.1.1)

पइसरन्ति व 3/2 (5.12.2) पइसरमि व 1 / 1 (6.8.4)

पइसरज विधि 3 / 1 (19.4.6)

पईसरहो* विधि 2 / 1 (30.3.5)

पइसरहि विधि 2 / 1 (53.1.3)

प्रवेश कराना

पडसार

पइसन्ति व 3 / 2 (27.15.3)

भेजना पट्टव पट्ठवहि आज्ञा 2 / 1 (12.4.7) पट्ठवमि व 1/1 (40.15.10) **पइसर / पईसर** प्रवेश करना प्रतीक्षा करना / ग्रहण पडिच्छ करना पडिच्छहि विधि 2 / 1 (25.13.10) व 2/1 (41.12.8) व 3/1 (31.7.10) पडिच्छइ पडिच्छमि व 1 / 1 (52.7.3) पडिपहर प्रहार करना पडिपहरइ व 3 / 1 (61.2.3) पडिवज्ज स्वीकार करना पडिवज्जइ व 3 / 1 (38.11.6) पडिवज्जमि व 1 / 1 (70.4.9) पडिवज्जहि विधि 2 / 1 (70.5.5) पढ पढना पढइ व 3 / 1 (1.14.4) **पदुक्क** पहुँचना पढुक्कइ व 3 / 1 (52.1.7) पणम प्रणाम करना पणमन्ति व 3/2 (24.15.4) पणव प्रणाम करना पणवइ व 3/1 (1.5.5) पणास नष्ट करना पणासइ व 3 / 1 (3.3.8) पणिंद निन्दा करना पणिंदइ व 3/1 (90.11.2)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिंउ का क्रिया-कोश]

[25]

.**पदरिस** प्रदर्शन करना पदरिसइ व 3 / 1 (10.1.9) पदरिसहि विधि 2 / 1 (2.9.6) पभण कहना पभणइ व 3 ∕ 1 (5.8.1) पभणन्ति व 3 / 2 (16.7.1) पभणहि व 2 ∕ 1 (52.7.3) **पमेल्ल** छोडना पमेल्लइ व 3 ∕ 1 (26.8.4) प्रकाशित करना पयास पयासहि विधि 2 / 1 (11.11.3) पयासमि व 1 / 1 (23.1.8) परज्ज पराजित करना परज्जमि व 1 / 1 (38.6.4) पहुँचाना पराण पराणमि व 1 / 1 (89.11.4) परिचिंत सोचना परिचिंतइ व 3 / 1 (88.7.1) परिछिंद छेदन करना परिछिंदमि व 1 / 1 (89.12.9) विवाह करना परिण परिणेसहि भवि 2 / 1 (30.3.9) परिणमि व 1 / 1 (36.15.10) परिणेसइ भवि 3 / 1 (47.2.9) व 1 / 1 प्रे. (82.1.9) परिणावमि परिणिंद निन्दा करना परिणिंदइ व 3 / 1 (76.15.1)

परिता रक्षा करना परिताहि आज्ञा 2 / 1 (28.4.2) परिपाल रक्षा करना परिपालउ विधि 3 / 1 (17.18.4) परिपालहि विधि 2 / 1 (20.1.6) परिपेल्ल पीडित करना परिपेल्लइ व 3 / 1 (51.13.10) परिभम परिभ्रमण करना परिभमन्ति व 3 / 2 (4.6.4) परिभमइ व 3 / 1 (10.3.9) परियलं झरना परियलन्ति व 3 / 2 (1.4.8) परियलइ व 3 / 1 (4.5.5) परियाण जाननाः परियाणइ व 3 / 1 (22.6.8) परियाणमि व 1 / 1 (48.9.2) परिरक्ख रक्षा करना परिरक्खइ व 3/1 (1.14.7) परिरक्खहि विधि 2 / 1 (16.9.2) परिसक्क चलना परिसक्कड व 3/1 (17.5.8) परिसक्कमि व 1 / 1 (51.1.9) परिसक्कन्ति व 3/2 (64.3.8) परिसक्कहि विधि 2 / 1 (17.14.2) परिसव झरना परिसवइ व 3 / 1 (39.6.4) परिसेस त्यागना छोडना

26]

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंजमचरिज का क्रिया–कोश

पवोल्लइ व 3 / 1 (89.3.1) Jain Education International

परिसेसइ व 3 / 1 (49.14.6)

परिसेसमि व 1 / 1 (55.1.20) परिसेसहि आज्ञा 2 / 1 (87.18.2)

पहनना

परिहावेइ व 3 / 1 प्रे. (59.3.8)

परिहेसइ भवि 3 / 1 (76.9.3)

छोडना

परिहरन्ति व 3/2 (7.3.9)

परिहरइ व 3 / 1 (34.4.3)

परिहरहि व 2 / 1 (54.15.1)

े देखना

परिहरमि व 1 / 1 (1.3.9)

परिहइ व 3 / 1 (24.1.7)

परिह

परिहर

पलोअ

पवत्त

पलोयइ व 3 / 1 (59.3.9) पलोव देखना पलोवइ व 3 / 1 (36.10.6) पवज्ज स्वीकार करना पवज्जहि व 2 / 1 (22.11.9) पाड पवज्जमि व 1 ∕ 1 (29.4.5) पाडइ प्रवर्तित होना पवत्तइ व 3 / 1 (2.9.3) **पवंद** घन्दना करना. पवंदइ व 3 / 1 (90.12.6) पायडमि पविरोल बिलोना पविरोलइ व 3 / 1 (88.4.5) पवोल्ल बोलना, आक्रमण करना अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश] For Personal & Private Use Only

पसाह प्रसाधन करना पसाहहि आज्ञा 2 / 1 (49.10.5) पसंस प्रशंसा करना पसंसहि व 2 ∕ 1 (39.6.1) पहर ्रप्रहार करना पहरन्ति व 3 / 2 (7.14.1) पहरड व 3 / 1 (20.9.6) पहरु विधि 2 / 1 (29.10.9) पहरहि आज्ञा 2 / 1 (53.5.2) पहरमि व 1 / 1 (53.12.5) पहण प्रहार करना पहणइ व 3 / 1 (10.12.4) पहणन्ति व 3 / 2 (75.21.3) पहार लडना पहारहि व 2 / 1 (52.2.1) पहाव प्रभाव होना / समर्थ होना पहावइ व 3 / 1 (80.9.9) गिराना व 3/1 (1.14.6) पाडमि व 1 / 1 (7.4.9) पाडन्ति व 3 / 2 (74.17.8) पायड प्रकट करना व 1 / 1 (1.1.19) पायडन्ति व 3 / 2 (72.9.5) पारम प्रारंभ करना पारंभइ व 3 / 1 (71.6.18) पाल पालन करना

[27.

पुच्छहि	व 2/1	(
पुच्छन्ति	व 3/2	
पुस	पौंछन	₹
पुसइ व	₹3/1	(8
28]		
Jain Education Inte	rnational	

पालइ व 3 / 1 (23.2.12)

पाले विधि 2 / 1 (22.11.3)

पालेसइ भवि 3 / 1 (76.9.9)

पालहि विधि 2/1 (79.8.9)

पावइ व 3 / 1 (4.13.9)

पावन्ति व 3/2 (14.11.6)

पावेसहि भवि 3 / 1 (19.7.5)

पावउ विधि 3/1 (22.2.6)

पावए व 3 / 1 (42.10.7)

पावमि व 1 / 1 (45.15.3)

पिअ/पिय पान करना

पियइ व 3 / 1 (79.11.10)

पिवहि विधि 2 / 1 (9.8.3)

पिसूणमि व 1 / 1 (38.9.2)

पिसुणइ व 3 / 1 (51.10.1)

(88.4.6)

(41.7.7)

(89.9.6)

1 (87.14.9)

पैरना

पूछना

पुच्छड् व 3 / 1 (19.13.3)

पीलइ व 3 / 1

कहना

पियन्ति व 3/2 (1.4.8)

पीना

पिव

पिसुण

पील

पुच्छ

पावेसहँ भवि 1 / 2 (87.4.8)

पाव

पहँचना

पूरा होना पूर पुरन्तु विधि 3 / 2 (19.6.4) पूरन्ति व 3 / 2 (28.3.3) व 3/1 (42.8.1) परइ पुरमि व 1 / 1 (43.9.9) पेक्ख देखनाः पेक्खइ व 3/1 (6.11.2) पेक्खु विधि 2 / 1 (8.3.1), पेक्खहि विधि 2/1 (8.3.2) पेक्खमि व 1 / 1 (10.8.1) पेक्खहँ व 1 / 2 (12.9.7) पेक्खह्* विधि 2 / 1 (32.14.9) पेक्खेसहि भवि 2 / 1 (30.1.8) पेक्खेसहँ भवि 1 / 2 (78.3.8) पेच्छ •देखना पेच्छड़ व 3 / 1 (34.7.4) पेच्छ विधि 2 / 1 (37.1.8) पेच्छहि व 2 / 1 (38.8.6) पेच्छमि व 1 / 1 (38.19.2) **पेल्लाव** प्रेरित करना पेल्लावइ व 3 / 1 प्रे. (38.4.6) पेस भेजना पेसहि विधि 2 / 1 (44.4.9) पेसेसइ भवि 3 / 1 (44.3.11) पेसमि व 1 / 1 (63.12.7)

फ

फाड	फाडना		
फाडमि व	1/1	(1:	5.2.8)
फेड	हटा	ना	
फेडेसइ	भवि 3	/1	(35.4.8)

भ

भक्ख खाना भक्खइ व 3 / 1 (2.12.8) भंज नष्ट करना भंजेसइ भवि 3 / 1 (76.9.6) व 1 / 1 (38.6.4) भंजमि भंजहि विधि 2 / 1 (42.4.9) भज्ज भग्न करना भज्जइ व 3 / 1 (38.5.2) भण कहना भणइ व 3 / 1 (3.7.3) भणमि व 1 / 1 (6.1.10) भणन्ति व 3 / 2 (12.9.4) भणु विधि 2 / 1 (15.14.2) भणेसइ भवि 3/1 (19.5.2) भणहि विधि 2 / 1 (31.7.10) घुमाना भमाड भमाडहि व 2/1 (55.2.6) भमाडमिं व 1 / 1 (55.4.9)

भरना भर भरइ व 3 / 1 (19.6.5) भाम घुमाना भामइ व 3 / 1 (25.14.8) होना भाव भावइ व 3 / 1 (5.12.8) प्रकाशित होना, चमकना भास भासइ व 3 / 1 (3.3.8) মিত্ত क्षय को प्राप्त करना भिज्जन्ति व 3 / 2 (75.12.7) भेदना भिन्द भिन्दइ व 3 / 1 (41.15.5) भिन्दमि व 1 / 1 (29.4.4) उपभोग करना भंज भूंजमि व 1 / 1 (22.5.8) भूंज उ विधि 3 / 1 (22.9.9) भंजे विधि 2 / 1 (22.10.9) भुंजहि विधि 2 / 1 (24.4.2) व 2/1 (38.18.6) भुंजहु* विधि 2 / 1 (26.12.2) भुंजइ व 3 / 1 (28.12.10) भूंजावमि व 1 / 1 प्रे (31.2.4) भूंजन्ति व 3 / 2 (34.2.2) भूंजेसइ भवि 3 / 1 (60.12.9) भुंजि विधि 2 / 1 (79.2.6) भुजेसहि भवि 2/1 (85.5.5) भूस विभूषित करना भूसइ व 3 / 1 (88.1.8)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[29

मइल मैला करना				
मइलहि व 2 / 1 (18.8.2)				
मइलमि व 1 ⁄ 1 (65.11.6)				
मइलेइ व 3 ⁄ 1 (71.5.6)				
मइलेसइ भवि 3 ⁄ 1 (73.9.2)				
मग्ग मॉंगना, खोजना				
मग्गइ व 3 / 1 (3.12.5)				
मग्गमि व 1 ⁄ 1 (21.4.5)				
मग्गहि व 2 / 1 (41.8.6)				
मण्ड अलंकरण करना				
मण्डहि विधि 2 / 1 (24.4.4)				
मण्ण मानना				
मण्णइ व 3 ⁄ 1 (49.6.9)				
मण्णहि विधि 2 / 1 (61.8.6)				
मम्मीस अभय वचन देना				
मम्भीसावइ व 3 / 1 प्रे. (29.7.2)				
मम्भीसइ व 3 ∕ 1 (49.14.4)				
मम्भीसमि व 1 ⁄ 1 (70.11.10)				
मम्भीसहि व 2 / 1 (81.12.7)				
मल मर्दन करना				
मलमि व 1 ⁄ 1 (48.2.8)				
माण मानना				
माणहि विधि 2 / 1 (20.1.6)				
माणइ व 3 / 1 (23.4.9)				
•				

माणन्ति व 3 / 2 (87.1.4) मार मारना मारमि व 1/1 (8.10.7) व 3/1 (9.10.5) मारइ मारन्ति व 3/2 (25.6.1) मारि विधि 2 / 1 (25.14.1) मारहि विधि 2 / 1 (26.2.8) मारावहि विधि 2 / 1 प्रे (56.13.9) मुअ/मुय छोडना ॅमुअइ व 3∕1 (13.1.9) मुए विधि 2 / 1 (15.7.2) मुअन्ति व 3 / 2 (27.1.7) मुयमि व 1 / 1 (69.18.7) मुयन्ति व 3 / 2 (86.4.5) मुण जानना मुणहि व 2/1 (6.2.2) मुणन्ति व 3/2 (16.12.7) मुसुमूर कुचलना मुसुमूरइ व 3 / 1 (17.9.4) मुसुमूरमि व 1 / 1 (38.6.5) मेलाव मिलाना मेलावहि व 2 / 1 (15.11.9) मेल्ल छोडना मेल्लइ व 3/1 (5.4.6) मेल्लन्ति व 3/2 (64.2.5) मेल्लेसइ भवि 3/1 (70.10.1)

30]

मेल्लावमि व 1 / 1 प्रे. (73.10.2) मोक्कल मुक्त करना मोक्कलहि आज्ञा 2 / 1 (85.5.2) मोड मोडना मोडन्ति व 3/2 (7.2.8) मोडइ व 3/1 (27.3.8) मोडमि व 1/1 (74.3.7) मोह मुग्ध करना मोहइ व 3/1 (49.9.8)

र

•
रक्ख रक्षा करना
रक्खहुं व 1 / 2 (15.10.7)
रक्खइ व 1 / 1 (38.13.6) 🕈
रक्खहि आज्ञा 2 / 1 (43.8.5)
रंज खुश करना
रंजमि व 1 / 1 (59.4.6)
रय बनाना
रयमि व 1 / 1 (81.2.4)
रस आवाज करना
रसइ व 3 / 1 (27.2.6)
रसन्ति व 3/2 (82.14.5)
रुंम अवरुद्ध करना
रुभइ व 3 / 1 (25.15.2)
रोक्क रोकना
रोक्कइ व 3 / 1 (17.9.3)
अफ्संश महाकृति स्वरांभ के पंजमचरिज

लंघ लांघना लंघमि व 1 / 1 (29.4.5) लेना ल विधि 2/1 (30.3.8) लइ लक्ख देखना लक्खइ व 3 / 1 (24.3.8) लग्ग लगना व 3/1 (9.10.5) लग्गइ लग्गेसइ भवि 3 / 1 (18.6.9) लग्गउ विधि 3 / 1 (38.15.1) लग्गेसमि भवि 1/1 (40.13.10) लग्गमि व 1 / 1 (40.14.4) लब्म प्राप्त करना लब्भइ व 3 / 1 (4.12.4) लब्मन्ति व 3 / 2 (39.5.2) धारण करना लय लयन्ति व 3/2 (7.2.6) लल झूलना ललइ व 3/1 (14.7.8) लव बोलना लवन्ति व 3/2 (27.15.7) (62.2.1) लवड व 3 / 1 प्राप्त करना लह लहमि व 1 / 1 (12.1.6) लहइ व 3 / 1 (33.6.6) लहेसहुं भवि 1/2 (87.4.7)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पंउमचरिउ का क्रिया—कोश]

[31 -

लहेसहि भवि 2 / 1 (19.8.2) लाय लगाना लायमि व 1/1 (40.5.3) लायइ व 3 / 1 (76.12.5) लाव पहुँचाना, ले जाना लावमि व 3 / 1 (45.15.3) लावइ व 3/1 (68.7.9) लिम्प लीपना लिम्प विधि 2 / 1 (78.7.6) लुण काटना लुणइ व 3 / 1 (36.13.6) पौंछना लुह लुहहि विधि 2 / 1 (19.15.8) लुहि विधि 2 / 1 (23.5.2) लुहमि व 1 / 1 (49.16.4) ले ग्रहण करना लेइ व 3 / 1 (1.10.9) लेमि व 1 / 1 (4.4.3) लेहि व 2/1 (18.2.2) विधि 2/1 (31.6.9) लेन्ति व 3/2 (22.3.8) लेसइ भवि 3 ⁄ 1 (58.3.9) व

वग्ग	खूंखारना		
वग्गइ	व 3/1	(60.3.9)	
वज्ज	बजाना		

वज्जइ व 3/1 (3.3.7) वज्जर कहना विधि 2/1 (15.12.6) वज्जरहि प्रवर्तित होना वट्ट व 3/1 (38.5.8) वट्टइ वट्टहि व 2 / 1 (38.8.2) वट्टन्ति व 3 / 2 (40.13.1) वर्णन करना वण्ण वण्णमि व 1 / 1 (1.4.1) वंद वन्दना करना वंदइ वं 3/1 (32.5.7) बाँधना वंध वंधड व 3/1 (40.3.10) वंधहि व 2/1 (57.2.9) वंधमि व 1 / 1 (59.4.9) वंधन्ति व 3 / 2 (86.4.5) बोलना वम वमइ व 3 / 1 (13.5.6) वर वरण करना वरइ व 3 / 1 (36.13.8) वरहुं व 1 / 2 (89.6.4) वरिस बरसना वरिसन्ति व 3 / 2 (32.2.3) वल घुमाना वलन्ति व 3/2 (7.2.8)वलइ व 3 / 1 (27.3.8) वलग्ग चढना, लगना

32]

```
सुवासित होना
    वास
           व 3 ∕ 1 (3.3.9)
    वासड
    वाह आक्रमण करना/चलाना
   वाहमि व 1 / 1 (11.5.2)
    वाहहि विधि 2 / 1 (49.10.5)
   वाहि विधि 2/1 (17.6.2)
   वाहे विधि 2 / 1 (75.13.1)
   वाहडू व 3/1 (88.4.4)
   विअक्ख
               कहना
   विअक्खइ व 3 / 1 (78.2.1)
   विक्खिर फैलाना बिखेरना
    विक्खिरन्ति व 3 / 2 (31.6.4)
Jain Education International
```

वलग्गइ व 3 / 1 (18.5.9)

रहना

वसइ व 3 / 1 (34.5.2)

वहन्ति व 3 / 2 (75.10.10)

वहहि व 2 / 1 (88.4.10)

वहेसइ भवि 3/1 (6.11.3)

बजाना

वाइ व 3 / 1 (42.10.7)

वायइ व 3 / 1 (26.20.1)

वारइ व 3 / 1 (62.1.9)

वावर आक्रमण करना वावरन्ति व 3/2 (43.15.7)

वाय पढाना

वार रोकना

धारण करना / मारना

(4.5.3)

वस

वह

वा

वहड व 3/1

विघोस घोषणा करना विघोसइ व 3 / 1 (80.1.8) বিত্ত हवा करना विज्जेइ व 3 / 1 (78.7.7) विज्झ छेद देना विज्झङ् व 3 / 1 (2.6.3) विणड प्रताडित करना विणडेसइ भवि 3 / 1 (40.14.5) विणास नष्ट करना विणासइ भवि 3 / 1 (41.15.2) विणिवाय मार गिराना विणिवायइ व 3 / 1 (17.9.5) विणिवार रोकना विणिवारइ व 3 / 1 (75.16.1) विणिवारेसइ भवि 3 / 1 (76.9.7) विण्णव निवेदन करना व 3 / 1 (4.14.3) विण्णवड विण्णवन्ति व 3 / 2 (83.4.3) विण्णास प्रदर्शन करना विण्णासहि विधि 2 / 1 (25.12.2) वित्थार फैलाना वित्थारमि व 1 / 1 (53.2.10) विद्ध बेधना विद्धइ व 3 / 1 (15.3.7) विन्ध बेधना व 3/1 (17.12.5) विन्धइ वियप्प विचार करना वियप्पइ व 3 / 1 (52.6.5)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[33

वियस खिलना वियसन्ति व 3 / 2 (6.3.6) वियार विदीर्ण करना वियारमि व 1 / 1 (53.12.5) विरुद्ध विरुज्झ विरुज्झइ व 3 / 1 (10.7.9) विस प्रवेश करना विसइ व 3 / 1 (16.3.4) विसन्ति व 3 / 2 (16.9.2) विसज्ज विसर्जन करना छोडना विसज्जमि व 1 / 1 (29.4.6) विसज्जहि व 2 / 1 (70.5.5) विसह सहन करना विसहइ व 3/1 (18.5.2) विसूर खेद करना विसूरइ व 3 / 1 (29.3.2) विहड खण्डित करना व 3/2 (7.5.4) विहडन्ति विहर भ्रमण करना विधि 2 ⁄ 1 विहरु (32.2.10)विहरन्ति व 3/2 (36.1.2) विहाव देखना विहावइ व 3/2 (5.11.9) व 1 / 1 (52.2.1) विहावमि विह्रण कपाना विहुणइ व 3/1 (29.3.3) वीसंभ विश्वास करना वीसंभइ व 3/1 (36.13.9)

वीसर भूलना वीसरइ व 3/1 (19.14.8) वीसरन्ति व 3 / 2 (64.2.3) वीह डरना वीहहि व 2/1 (41.6.4) गर्जना करना वुक्कार वुक्कारइ व 3 / 1 (41.14.4) वुज्झ जानना वुज्झहि व 2 / 1 (20.2.2) वुज्झन्ति व 3/2 (34.2.3) वुज्झ् विधि 2 / 1 (43.9.3) वुज्झहूँ व 1 ∕ 2 (48.5.5) वुज्झमि व 1 / 1 (49.2.5) वेढ लपेटना वेढइ व 3/1 (51.13.10) बोलना वोल्ल व 3/1 (16.6.6) वोल्लइ वोल्लहि व 2 / 1 (18.8.3) वोल्लमि व 1 / 1 (19.18.2) वोल्लन्ति व 3/2 (31.11.8) भवि 3 ⁄ 1 वोल्लेसइ (55.2.1) वेयार प्रतारणा देना वेयारहि व 2/1 (18.12.6)

स

विश्वास करना **संक** आशंका करना व 3 / 1 (36.13.9) संकन्ति व 3 / 2 (8.2.4) [अपग्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया–कोश

34]

संचल्ल चलना संचल्लइ व 3 / 1 (18.8.7) संचल्लमि व 1/1 (49.2.3) संचाल चलाना संचालहि विधि 2/1 (38.9.6) संचालइ व 3/1 (8.11.9) Jain Education International

संकइ व 3∕1

संकमि व 1∕1

संघार

संचर

संचरमि

संचार

संखोह क्षुब्ध करना

संखोहइ व 3 ∕ 1 (76.9.5)

संघारमिं व 1/1 (55.3.8)

संच इकट्ठा करना

संचइ व 3 / 1 (77.2.8)

संचरन्ति व 3/2 (7.5.5)

संचरहि व 2 / 1 (20.8.3)

संचरहि विधि 2 / 1 (53.1.3)

ः चलाना

संचारमि व 1 / 1 (74.3.2)

संचूर चूर-चूर करना

संचूरइ व 3 / 1 (17.9.4)

संच्रामि व 1 / 1 (38.6.5)

संचलन्ति व 3/2 (4.6.4)

संचल चलना

संचरु विधि 2 / 1 (7.12.4)

संचरइ व 3 / 1 (15.11.4)

व 1 / 1 (87.14.5)

घूमना

(38.14.7)

(57.2.11)

मारना, नष्ट करना

संचालेसइ भवि 3 ∕ 1 (47.8.9) आश्वासन देना संथव व 2/1 (19.8.4) संथवहि संथवइ व 3 / 1 (36.8.1) संध सन्धान करना संधइ व 3 / 1 (40.3.10) संधहि व 2 / 1 (57.2.9) सिद्ध करना संपाड संपाडहि व 2 / 1 (55.2.6) संपेस भेजना संपेसमि व 1 / 1 (57.12.3) संमर रमरण करना संभरहि व 2 / 1 (1.7.9) संभरमि व 1 ∕ 1 (43.3.3) संभरइ व 3 ∕ 1 (50.2.1) मालिश करना संवाह संवाहड़ व 3 / 1 (1.14.8) सज्ज सजाना सज्जमि व 1 ∕ 1 (29.4.6) सज्जहि व 2 ∕ 1 (38.8.4) सद्धह श्रद्धा करना सद्धहइ व 3 / 1 (54.16.9) समप्प सौंपना समप्पहि विधि 2 / 1 (70.3.10) समप्पड व 3 / 1 (70.5.4) समप्पमि व 1 / 1 (70.11.8) समाण समाप्त करना समाणहि विधि 2/1 (24.4.3)

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

[35

समाणइ व 3 / 1 (23.4.9) **समारुह** चढ़ना समारुहइ व 3 / 1 (34.11.2) करना, बनाना, रचना समार समारहि विधि 2 / 1 (25.12.3) समारमि व 1/1 (38.6.8) समारइ व 3 / 1 (49.14.7) समुत्तर पार करना समुत्तरन्ति व 3 / 2 (1.10.6) समुल्लव कहना समुल्लवन्ति व 3 / 2 (27.15.7) समुव्वह धारण करना समुव्वहइ व 3 / 1 (6.16.6) समोडु/समोड मोडना, युद्ध के लिए तैयार करना समोडुहि विधि 2 / 1 (58.9.9) समोडइ व 3 / 1 (61.2.2) समोत्थर आक्रमण करना समोत्थरइ व 3 / 1 (11.10.9) **सम्माण** सम्मान देना सम्माणहि विधि 2/1 (89.3.5) आश्रय लेना सर व 3 / 1 (69.6.11) सरइ सह सहन करना सहेसहि भवि 2 / 1 (85.5.6) निस्तार करना सार सारमि व 1 / 1 (45.14.8) साह साधना करना

साहमि व 1 / 1 (4.12.4) साहइ व 3 / 1 (76.9.4) साहार सहारा देना साहारन्ति व 3/2 (36.7.9) सींचना सिंच सिंचन्ति व 3 / 2 (6.3.5) सिंचइ व 3 / 1 (76.12.9) **सिक्खव** सिखाना सिक्खवइ व 3/1 (16.8.2) सिढिल शिथिल करना सिढिलन्ति व 3/2 (64.2.4) सींचना सिप्प सिप्पइ व 3 / 1 (78.7.6) सीस कहना सीसइ व 3 / 1 (16.9.10) सुण सुनना सुणन्ति व 3 / 2 (33.6.7) सुणु विधि 2 / 1 (37.6.3) सुणे विधि 2 / 1 (49.3.1) सुणि विधि 2 / 1 (53.3.1) सुणइ व 3 / 1 (54.16.9) सुमर याद करना सुमरमि व 1 / 1 (76.10.2) सुमरइ व 3 / 1 (35.2.3) सुहा अच्छा लगना सुहाइ व 3 / 1 (12.12.8) सेव उपभोग करना, सेवन करना सेवइ व 3 / 1 (33.12.9)

36]

 सोअ/सोय
 शोक करना

 सोयहि व 2 / 1
 (37.5.9)

 सोअइ व 3 / 1
 (41.18.6)

 सोस
 शोषण करना

 सोसहि व 2 / 1
 (77.2.6)

 सोसमि व 1 / 1
 (56.6.2)

ह

हक्कार पुकारना व 3/1 (7.1.9) हक्कारइ हण वध करना हणइ व 3/1 (21.6.9) हणू विधि 2 / 1 (27.9.3) हणमि व 1 / 1 (43.9.5) , हत्थूत्थल्ल हाथ उठाकर ्आदेश देना हत्थुत्थल्लहि विधि 2 / 1 (21.6.4) हम्म मारना हम्मइ व 3 / 1 (7.9.6) हम्मन्ति व 3/2 (25.6.1) हर हरण करना, छीनना हरइ व 3 / 1 (21.10.5) हरमि व 1 / 1 (36.10.5) हार हारना हारइ व 3 / 1 (25.1.9) हिंस हींसना, पीडा देना

अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश]

हिंसन्ति व 3 / 2 (25.4.3) हिंड भ्रमण करना हिंडन्ति व 3 / 2 (43.1.8)

नोटः* पउमचरिउ में 'हो' प्रत्यय का प्रयोग विधिकाल के मध्यम पुरुष एकवचन में हुआ है। 'हु' प्रत्यय का प्रयोग विधिकाल के मध्यम पुरुष एकवचन एवं बहुवचन में हुआ है। अपभ्रंश भाषा का अध्ययन, वीरेन्द्र श्रीवास्तव—

पृष्ठ संख्या 212–213

समानार्थक अकर्मक क्रियाएं

- 1. अच्छा लगना सुह, पडिहा
- 2. उछलना उच्छल, उत्थल्ल
- 3. उठना उड्ड, समुड
- 4. कॉंपना कंप, वेव, थरहर
- 5. क्रीडा करना कील, रम
- 6. खेद करना जूर, विसूर
- 7. गरजना गज्ज, गलगज्ज
- गिरना ओवड, खस, णिवड, पड, पडिखल
- 9. घूमना घुम्म, घुल, भम
- 10. चमकना वल, विष्फुर
- 11. **चिल्लाना** कंद, रड, धाहाव
- 12. छिपना उल्लुक्क, ल्हिक्क
- 13. **जलना** जल, पजल, पज्जल, पलिप्प
- 14. जीना जिय, जीव, जिव
- 15. झगडा करना, लड़ना– कलह, जुज्झ, भिड
- 16. **ठहरना** ठा, थक्क, था
- 17. **डोलना, झूलना** रंखोल, डोल्ल

- 18. नष्ट होना णिड्ठ, फिट्ट
- 19. **नाचना** उव्वेल्ल,णच्च, पणच्च
- 20. **प्रकट होना** णिव्वड, पवियम्भ
- 21. प्राप्त होना विढप्प, संपड
- 22. फैलना वित्थर, पवियंभ, वङ्ख
- 23. बढ़ना पवड्ड, वड्ड
- 24. मिलना मिल, संमिल
- 25. रहना णिवस, परिवस, वस
- 26. रूसना रूस, विरूस
- 27. **रोना** रुअ, रुय, रुव, रोव, रुणरुण
- 28. लौटना पल्लट्ट, लोट्ट
- 29. शांत होना उवसम, णीव
- 30. शुद्ध होना सुज्झ, परिसुज्झ,
- 31. **शोभना** छज्ज, विहा, सह, सोह
- 32. **स्खलित होना** खल, पक्खल
- 33. सोना सुअ, सुप्प, सुव, सोव
- 34. हंसना विहस, हस

[अपभ्रंश महाकवि स्वयंभू के पउमचरिउ का क्रिया-कोश

8]

35. **हटना** – ओसर, ओहट्ट

36. होना – हव, हो, अच्छ

समानार्थक सकर्मक क्रियाएँ

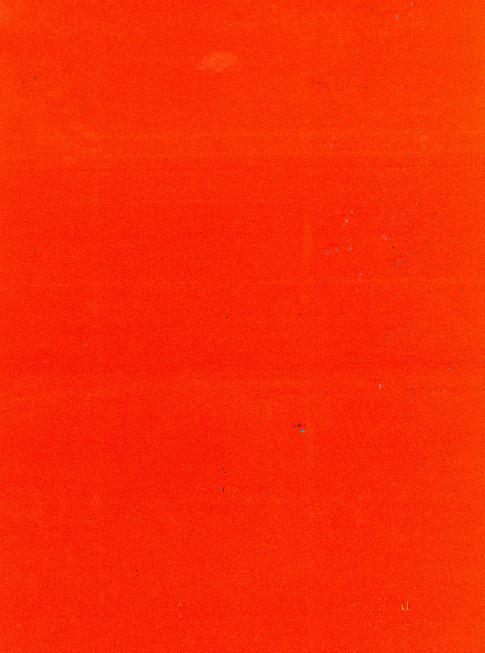
- अनुसरण करना अणुसर, अणुहर
- अपहरण करना हर, अवहर
- आक्रमण करना वाह, समोत्थर, उत्थर, चप्प, पवोल्ल, वावर, ओवग्ग
- 4. आशंका करना संक, आसंक
- आश्वासन देना संथव, थव
- 6. उपमोग करना सेव, अणुहुंज, भुंज
- 7. **करना** समार, कर, कुण
 - कहना अक्ख, अप्फाल, कह, चव, जंप, पभण, पिसुण, भण, वज्जर, विअक्ख, समुल्लव, सीस
 - 9. **खण्डित करना** खंड, विहड

- 10. खाना अस, खा, भक्ख
- 11. ग्रहण करना गिण्ह, गेण्ह
- 12. घूमना संचर, आहिण्ड
- 13. घोषणा करना घोस, विधोस
- 14. चढ़ना चड, समारुह, वलग्ग
- 15. चलना चल, चल्ल, परिसक्क,संचल, संचल्ल
- 16. चलाना संचार, संचाल
- 17. **चूर—चूर करना** संचूर, दलवट्ट
- 18. छोडना पमेल्ल, परिहर, मुअ, मेल्ल, उम्मह, छड्ड, छंड, विसज्ज
- 19. **जानना** वुज्झ, चेय, जाण, मुण
- 20. जाना गच्छ, गम्म
- 21. **तोडना** खुड, तोड
- 22. **देखना** अवलोय, उप्पेक्ख, जोअ, जोय, जोव, णिअ, णिय, णिहाल, देक्ख, पलोअ, पलोव, पेक्ख, पेच्छ, लक्ख, विहाव
- 23. धारण करना समुव्वह, धर, धा, वह

- 24. निंदा करना गरह, णिंद, दुगुंछ, दोच्छ, पणिंद, परिणिंद
- 25. पार करना समुत्तर, उत्तर
- 26. पुकारना हक्कार, पच्चार
- 27. पूजा करना अंच, अच्च
- 28. प्रताडना देना विणड, वेयार
- 29. प्रदर्शन करना विण्णास, पदरिस
- 30. प्रवेश करना विस, पइस, पइसर
- 31. **फैंकना** खिव, घत्त, घल्ल, छुह, घिव
- 32. फैलाना वित्थार, विक्खिर
- 33. **बेधना** विद्ध, विंध
- 34. बिलोना घुसल, पविरोल
- 35. **बोलना** वोल्ल, उच्चार, पवोल्ल, लव
- 36. भ्रमण करना विहर, हिंड, परिभम
- 37. भेजना संपेस, पेस, पट्ठव
- 38. मारना णिसुंभ, संघार, णिहम्म, मार, विणिवाय
- 39. मिलाना घोल, मेलाव
- 40]

40. **रोकना** — आरोक्क, विणिवार, णिरुंभ, रोक्क

- 41. विचार करना वियप्प, चिन्तव
- 42. विदीर्ण करना -- वियार, दार
- 43. सजाना सज्ज, पसाह
- 44. **समाप्त करना** समाण, निट्ठव
- 45. सींचना सिंच, सिप्प
- 46. **सुनना** सुण, आयण्ण, णिसुण



Jain Education International

www.jainelibrary.org